ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -19 अंक -1 अप्रैल-I-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. -10.00

जीवन से अज्ञान तम को मिटाने का पर्व है शिवरात्रि

संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी के साथ ब्र.कु. डॉ. निर्मला, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. शशि तथा अन्य शिवध्वजारोहण करते हुए।

ज्ञानसरोवर। शिवजयंति के पावन अवसर पर शिवध्वजारोहण करने के पश्चात् ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि परमात्मा शांति का सागर है, उनका अवतरण अशांति व दु:ख से भरे संसार को सुखमय बनाने के दिव्य कर्त्तव्य के लिए होता है। महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक मर्म को जानने से ही शिव परमात्मा के सत्य स्वरूप से मन बुद्धि को जोड़ा जा सकता है। अज्ञान तम को ज्ञान के प्रकाश से दूर कर सर्व आत्माओं का जीवन मूल्यों से सम्पन्न बनाना ही सही अर्थ में शिव जयंती मनाना है।

ज्ञानसरोवर परिसर की निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि कल्याणकारी शिव का अवतरण सभी को आत्मानुभूति व परमात्म अनुभूति कराने के लिए होता है। शिव ही सत्य ज्ञान देकर आत्मा को सर्व विकारों से मुक्त कराते हैं। सकारात्मकता से नकारात्मकता पर जीत पाने का पर्व है शिव जयंती।

मल्टी मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा ने कहा कि संसार में सत्य धर्म की स्थापना के लिए परमात्मा शिव का अवतरण होता है। यह संगम का शुभ समय है जब सर्व आत्माएं पापों से मुक्त होकर पावन बनने का पुरुषार्थ कर रही हैं। ब्र.कु. शशि व ब्र.कु. प्रताप मिड्ढ़ा ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सभी ने परमात्म श्रीमत पर चल अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रतिज्ञा ली।

'गॉड ऑफ गॉड्स' फिल्म का राष्ट्रीय शुभारम्भ

फिल्म में मानवीय मूल्यों और धार्मिक एकता का संदेश

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा निर्मित 'गॉड ऑफ गॉड्स' 'देवों के भगवान' फिल्म का राष्ट्रीय शुभारम्भ स्थानीय ओडियन सिनेमाघर में हुआ। इस फिल्म की स्क्रीनिंग एवं मीडिया प्रीव्यू भी उसी सिनेमा घर में हुई। मानवीय मूल्यों और धार्मिक एकता का संदेश देने वाली डेढ़ घंटे की इस फिल्म को सभी नेताओं ने सराहा और देश तथा विदेशों में अनेक भाषाओं में इसे प्रदर्शित करने का आग्रह किया।

जैन धर्मगुरू आचार्य डॉ. लोकेश मुनी ने कहा कि इस फिल्म द्वारा जब हम एक ही ईश्वर को, एक ही लाईट को जान जायेंगे तो एकता, भाईचारा, सद्भाव, प्रेम व शान्ति का स्वप्न साकार होगा। भारत में बहाई धर्म के नेशनल ट्रस्टी डॉ. ए.के. मर्चेन्ट ने कहा कि यह फिल्म लोगों में विशेषकर युवा पीढ़ी को शिक्षित करने व समझाने के लिए है कि सभी धर्मों का संदेश एक है कि परमात्मा एक है।

महाशक्तिपीठ के स्वामी सर्वानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यह फिल्म सनातन धर्म व फिलॉसफी के बिल्कुल समीप लाने, भ्रांतियों को दूर करने तथा आज के समय के लिए उपयोगी और ईश्वर की प्राप्ति का साधन है।

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धी फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी लामा लाबजंग ने कहा कि फिल्म सभी धर्मों के 'एक ही ईश्वर' के संदेश को दर्शाती है।

जमात-ए-इस्लामी हिन्द के नेशनल सेक्रेटरी मौ. इकबाल मुल्ला ने कहा कि यह फिल्म अल्लाह को जानने एवं सभी धर्मों के इन्सानियत के संदेश को फैलाने की दिशा में अच्छा प्रयास है।

ईसाई धर्म के डॉ. एम.डी. थॉमस ने कहा कि यह फिल्म अपने नाम 'गॉड ऑफ गॉड्स' को सार्थक करती है। अलग-अलग धर्मों के प्रमुख लोगों को उस गॉड ऑफ गॉड्स परमसत्ता की ओर मिलजुलकर चलने की ज़रूरत है।

फिल्म का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. बृजमोहन तथा अन्य धर्म प्रतिनिधि।

फिल्म के बारे में...

- **फिल्म की मुख्य कथा एवं पटकथा वेंकटेश गोपाल ने लिखी है और इसका डायरेक्शन भी उन्होंने ही किया है। इस फिल्म के निर्माता दिल्ली के जगमोहन गर्ग और हैदराबाद के आई.एम.एस. रेड्डी हैं।**
- **सैंसर बोर्ड से यू./ए. सर्टिफिकेट प्राप्त यह फिल्म बेहतरीन विज़ुअल इफेक्ट्स, सिनेमैटोग्राफी और एट्मोससाउंड द्वारा बनी है। इस फिल्म की सिनेमैटोग्राफी माधव राजदत्तर और कर्ण तोलानी ने की। इस फिल्म की डांस कोरियोग्राफी श्रुति मर्चेंट और किरण श्रीयन ने किया है।**
- **इस फिल्म में बेहतरीन संगीत लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल जी, लक्ष्मी नारायण और विश्वामल्लिक ने दिया है और श्रेया घोषाल ने इसे अपनी मधुर आवाज़ से सजाया है।**
- **यह फिल्म ईश्वर की भक्ति से देश भक्ति की एक यात्रा है। डेढ़ घंटे की इस फिल्म में तेजस्विनी मनोगना, त्रियुग मंत्री, राजसिंह वर्मा, शिवा और बबु ने मुख्य किरदार निभाया है। इस फिल्म की कहानी का मूल सूत्र है - 'क्या हम एक ईश्वर के प्रेम में बंधकर एकतापूर्वक रह सकते हैं?'**
- **यह फिल्म मुम्बई, चेन्नई, मैक्सिको, यू.के. और यू.एस.ए. में शूट की गई है। यह फिल्म पी.वी.आर. सिनेमाघरों में वकाओ वितरण कंपनी के द्वारा पूरे भारत में रिलीज़ की जायेगी। इस फिल्म का ट्रेलर यू.ट्यूब पर उपलब्ध हैं।**

मैसूर में 'माइंड बॉडी मेडिसिन' पर कॉन्फ्रेन्स में हज़ारों डॉक्टर्स हुए शरीक

माइंड के सशक्तिकरण और सकारात्मकता के लिए मेडिटेशन ज़रूरी

मैसूर-कर्नाटक। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा कर्नाटक स्टेट ओपन युनिवर्सिटी के कॉन्वोकेशन हॉल में डॉक्टर्स के लिए आयोजित सम्मेलन में पद्मश्री डॉ. जी भक्तवत्सलम ने कहा कि ईश्वर में विश्वास एक विकल्प है, जिसे हमें एक बेहतर चिकित्सक-रोगी समन्वय के लिए तलाशना चाहिए। यदि यह विश्वास डॉक्टर द्वारा अपने रोगियों में दिया जाता है, तो रिकवरी तेज़ी से हो सकती है क्योंकि पूरा ब्रह्माण्ड विश्वास प्रणाली के इर्द गिर्द घूमता है। डॉक्टरों को अपनी संदेहात्मक प्रवृत्ति के बावजूद रोगियों के साथ प्यार से पेश आना आवश्यक है। डॉ. सुरेश रूद्रप्पा,प्रेसीडेंट,इलेक्ट ऑफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, मैसूर ने कहा कि ये कार्यक्रम डॉक्टर के लिए अपने पेशे में बेहतर प्रदर्शन के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने सही प्रकार की शिक्षा प्रदान करने में ब्रह्माकुमारी बहनों की भूमिका की सराहना की जो वर्तमान समय में समाज की आवश्यकता है। ब्र.कु. करुणा,चेयरपर्सन, मीडिया विंग,ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि भगवान भारत में मानवता के उत्थान के लिए आये हैं और हर आत्मा को उसके स्वयं की पहचान पाने के लिए सभी का यहाँ स्वागत करते हैं। ब्र.कु. डॉ. मोहित गुप्ता ने कहा कि आज विज्ञान ने यह साबित कर दिया है कि डॉक्टरों द्वारा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर वितरण के लिए मन को शांत करना आवश्यक है। मन में किसी भी प्रकार के व्यक्तित्व को बदलने की शक्ति होती है, जो सकारात्मक विचार पैदा करने और नियमित अंतराल पर मेडिटेशन का अभ्यास करने जैसे उचित पोषण प्रदान करता है। राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी, मुख्य समन्वयक, मैसूर सबज़ोन ने सभी को धन्यवाद दिया। प्रभाग के सचिव डॉ. ब्र.कु. बनारसी लाल शाह ने विंग की गतिविधियों के बारे में बताया।

मंचासीन हैं ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. डॉ. मोहित गुप्ता, पद्मश्री डॉ. जी. भक्तवत्सलम तथा अन्य।

डॉ. बी. सुरेश,वाइस चांसलर,जे.एस.एस. युनिवर्सिटी,मैसूर ने कहा कि डोपामाइन और सेरोटोनिन जो मस्तिष्क में निकलने वाले रसायन हैं, वे प्रकृति में अस्थिरता वाले दिमाग को शांत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। मेडिटेशन इस तरह के रसायनों के निर्वहन में मदद करता है ताकि कोई परिस्थिति आने पर व्यक्ति निर्णय लेने के लिए बेहतर स्थिति में हो।

चिकित्सक अपनी उन्नति के लिए समय निकालें

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा राजयोगिनी ब्र.कु. शिवानी ने 'हीलिंग द हीलर' तथा 'क्रिएटिंग ए मिराकल-सेलिब्रेटिंग लाइफ' विषय पर जीवनशैली में बदलाव के लिए डॉक्टरों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जिसका पालन करने के लिए वे स्वयं अपने रोगियों की वकालत करते हैं। उन्होंने बताया कि सकारात्मक पुष्टि भोजन को प्रसाद और पानी को अमृत में बदल सकती है। इस पद्धति को रोगियों द्वारा बीमारियों से उबरने के लिए आत्मसात किया जा सकता है। उन्होंने डॉक्टरों से ब्रह्माकुमारी केन्द्र में राजयोग मेडिटेशन सीखने और अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए हर दिन इसका अभ्यास करने की सलाह दी। विशेषज्ञा ने बताया कि डॉक्टरों को पहले खुद की देखभाल की आवश्यकता है, क्योंकि रोगियों के इलाज के उनके जोश में वे आमतौर पर अपने स्वयं की जीवन पद्धति को भूल जाते हैं। सेवा देने की गुणवत्ता बढ़ाने में विचार प्रक्रिया में परिवर्तन महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रत्येक चिकित्सक को अपनी व्यक्तिगत उन्नति के लिए एक निश्चित समय देना चाहिए, जिसमें उसे अपनी सोच की गुणवत्ता का अवलोकन करना चाहिए। इस तरह के अवलोकन सकारात्मक दृढ़ता और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। सही समय पर बनाए गए सही विचार डॉक्टरों के जीवन में चमत्कार ला सकते हैं।